



भारतीय
प्रौद्योगिकी
संस्थान
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय



INDIAN
INSTITUTE OF
TECHNOLOGY
BANARAS HINDU UNIVERSITY

☎ 0542 2366676: e-mail : pro.ppc@itbhu.ac.in

कुलसचिव कार्यालय
(प्रेस एवं प्रचार प्रकोष्ठ)



Office of the Registrar
(Press & Publicity Cell)

दिनांक : 14.05.2019

अल्युमिनियम के अपशिष्ट से बनेगी हाइड्रोजन ऊर्जा

वाराणसी। अल्युमिनियम के अपशिष्ट से हाइड्रोजन गैस बन सकती है। इसमें शुरूआती सफलता मिली है आईआईटी बीएचयू के धातुकीय अभियांत्रिकी विभाग के प्रोफेसर कमलेश सिंह को। हालांकि उनका कहना है कि अभी इस दिशा में कुछ काम बाकी है। प्रयोग सफल रहा तो हाइड्रोजन के परमाणुओं का नाभिकीय संलयन कराकर ऊर्जा का बेहतर स्रोत पाया जा सकता है।

उत्तरी यूरोप के इस्टोनिया के टर्टू नगर में आठ से दस मई तक आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन बायोसिस्टम इंजीनियरिंग में पढ़े अपने शोध पत्र में प्रोफेसर कमलेश ने बताया कि भारत में करीब चालीस हजार टन अलुमिनियम अपशिष्ट निकलता है। अलुमिनियम अपशिष्ट वैसे तो एक हानिकारक औद्योगिक कचरा है, लेकिन इससे कई उपयोगी पदार्थ जैसे हाइड्रोजन, कम्पोजिट तथा जल शुद्धिकारक प्राप्त किये जा सकते हैं।

प्रो. सिंह ने बताया कि हाइड्रोजन स्वच्छ ऊर्जा का उत्तम स्रोत है। भारत सहित पूरी दुनिया के वैज्ञानिकों की प्राथमिकता हाइड्रोजन आधारित ऊर्जा को सर्वसुलभ कराना है। इससे कम से कम खर्च में हमें अधिक से अधिक से ऊर्जा मिलेगी। जिसका प्रयोग विभिन्न क्षेत्रों में होगा। सम्मेलन में 40 देशों के 170 वैज्ञानिकों को आमंत्रित किया गया था।